मानव का विकास

Advent of Man

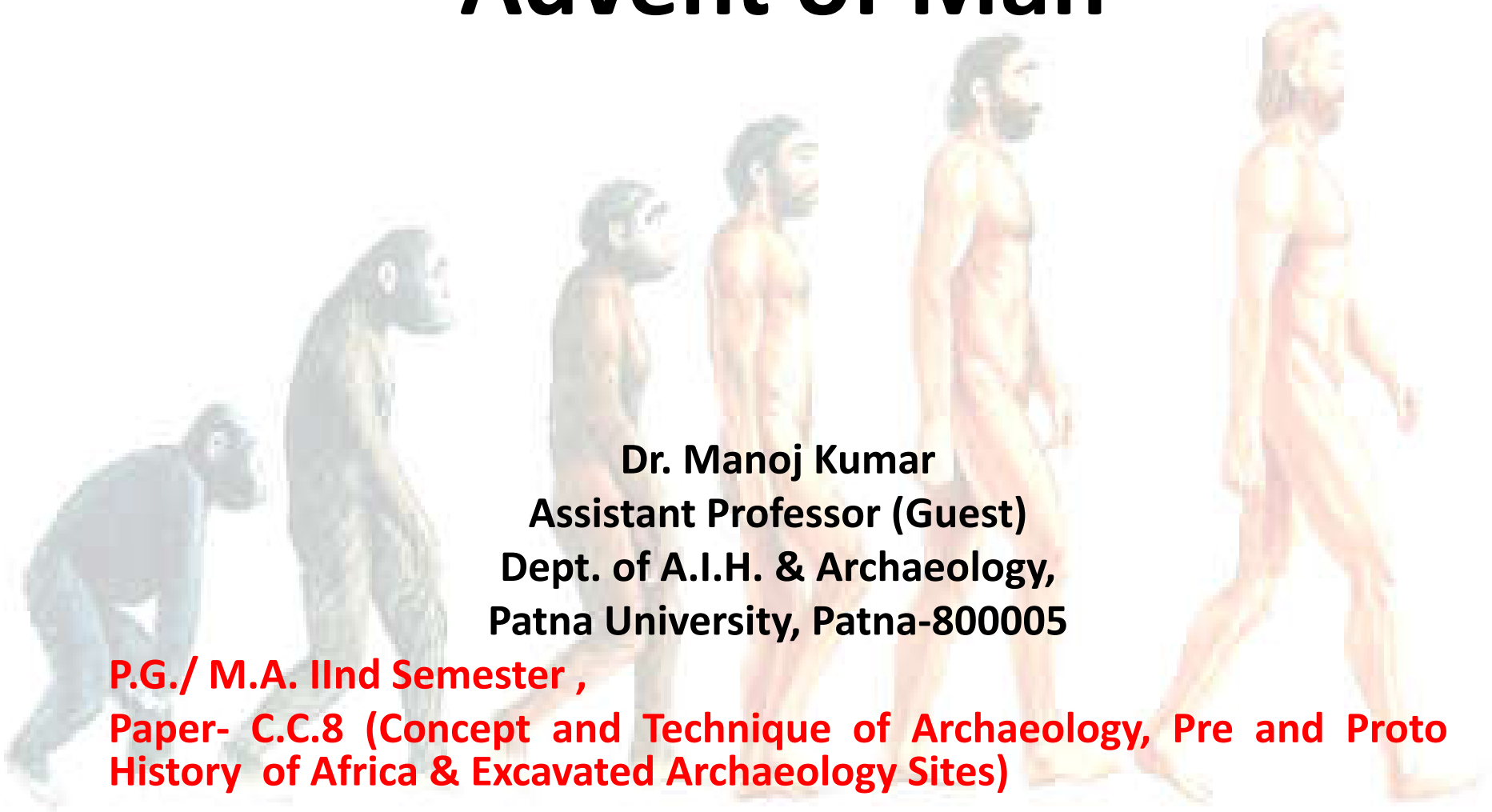

Dr. Manoj Kumar
Assistant Professor (Guest)
Dept. of A.I.H. & Archaeology,
Patna University, Patna-800005

P.G./ M.A. IInd Semester ,

Paper- C.C.8 (Concept and Technique of Archaeology, Pre and Proto History of Africa & Excavated Archaeology Sites)

ARCHAEOZOIC (आदिकल्प) :

जिस समय पृथ्वी के धरातल का तापमान कम हो रहा था और उसकी उपरी सतह की संरचना हो रही थी तथा जिस समय धरातल व् पानी का विभाजन हो रहा था उसी समय एक कोशिकीय जीवो का अस्तित्व आया

PROTEROZOIC (प्राक जीव कल्प)

प्राथमिक काल में ही उसके अंतिम चरण से एक कोशिकीय जीवो का अस्तित्व आया

SECANDORY (मध्यमिका)

पृथ्वी के इतिहास का द्वितीय चरण पशु वर्ग के इतिहास के लिए महत्वपूर्ण है, इस समय रीढधारी जीवो का अस्तित्व निर्मित हुआ , इस काल को भी जीवशास्त्र के अनुसार दो वर्गों PALAEOZOIC (पूराकल्प) MESOZOIC (मध्य जीव कल्प) में विभाजित किया गया है.

PALAEOZOIC (पूराकल्प)

इस समय पहली बार रीढधारी जीवो का अस्तित्व मुख्य रूप से जल जीवो के रूप में दिखता है.

MESOZOIC (मध्य जीव कल्प)

मध्यमिका काल के ही अंतिम चरण को MESOZOIC (मध्य जीव कल्प) कहते है , इसमे रीढधारी जीवो में मुख्यतः (REPTILE) रेंग कर चलने वाले जीवो का अस्तित्व मिलने लगता है.

TERTIORY (तृतीयक)

तृतीयक चरण का सबसे महत्वपूर्ण योगदान जीवविज्ञान के क्षेत्र में स्तनपायियों का अस्तित्व है |

तृतीयक चरण के प्रारंभ से ही पशुओ का अस्तित्व मिलने लगता है ECOCENE चरण से, आज के जो स्तनपायी पशु वर्ग हैं उनका स्वरुप स्पष्ट होने लगता है ये वो काल है जब PRIMATE वर्ग, जैसे बंदर, वनमानुष आदि का स्वरुप स्पष्ट होने लगता है |

PRIMATE वर्ग को दो वर्गों में वर्गीकृत किया गया है

1. HOMONIDE : में मानव वर्ग को रख सकते हैं
2. ANTHROPIDE : वनमानुष व् गोर्रिल्ला को रख सकते हैं

QURTANRY (चतुर्थक)
इस काल को दो वर्गों में वर्गीकृत किया गया है

1. PLISTOCENE (प्रातिनूतन काल 30 लाख वर्ष पूर्व से 10 हजार वर्ष पूर्व तक)
2. HOLOCENE (नूतन काल १० हजार वर्ष पूर्व से प्रारंभ)

PLISTOCENE (प्रातिनूतन काल):
इस काल में आज के मानव की शारीरिक संरचना क्रमश कई चरणों में विकसित होती हुयी दिखाई पड़ती है , और जैसे ही प्रातिनूतन काल का समापन तथा नूतन काल का प्रारम्भ होता है , आज के मानव के शरीर का पूर्ण विकसित रूप दिखाई पड़ता है

डायोपिथिकस

शिवापिथिकस

रामापिथिकस

हनुमानापिथिकस

सुग्रीवापिथिकस

- सबसे प्रारंभिक एवं स्पष्ट प्रमाण भारतीय उपमहाद्वीप के शिवालिक क्षेत्र एवं अफ्रीका से प्राप्त हुए है।
- तिथि– 260 लाख वर्ष पूर्व से 200 लाख वर्ष पूर्व

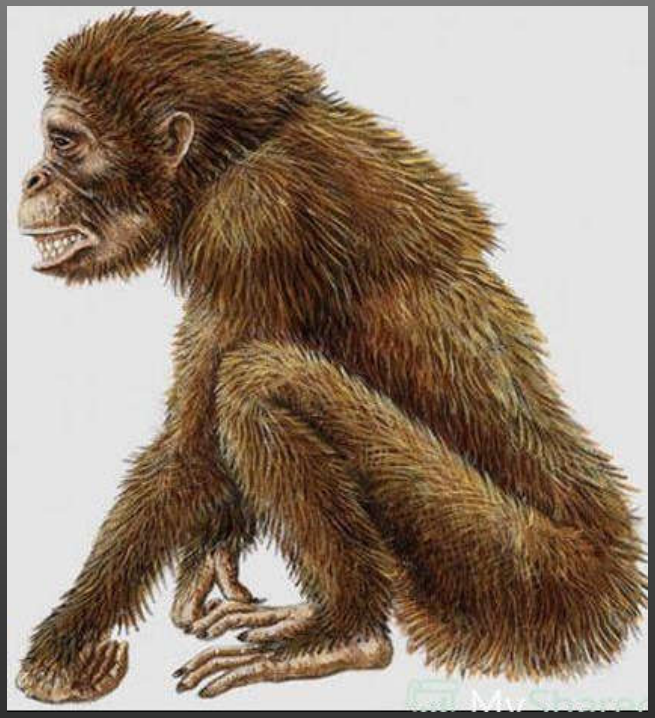

आस्ट्रेलोपिथिकस

छोटे आकार

बड़े आकार

आस्ट्रेलोपिथिक अफ्रेनसिस

आस्ट्रेलोपिथिक अफ्रीकेनस

आस्ट्रेलोपिथिक रोबस्टस

आस्ट्रेलोपिथिक क्रेसटिंनस

- प्रारंभिक अवशेष खोजने का श्रेय रेमण्ड डार्ट (1925)
- तिथि– 30 लाख वर्ष पूर्व से 15 लाख वर्ष पूर्व
- मस्तिक क्षमता– 450 से 750 सी0सी0
- पेबल टूल्स का निर्माता

होमोहीबीलस

- खोजकर्ता– एल0एस0बी0 लीके 1961–62 ई0
- स्थान– अफ्रीका के ओल्डवाईगार्ज, तंजानिया
- तिथि– 20 लाख वर्ष पूर्व से 15 लाख वर्ष पूर्व
- मस्तिष्क– 1000 सी0सी0
- पहला मानव जो अपने दोनों पैरों पर खड़ा हो सकता था साथ ही शरीर के अंगूठे का विकास दिखता है।

होमोइरेक्टस (पिथिकैन्थ्रोप्स)

- खोजकर्ता– जानॅ डुबिये 1891
- स्थान– जावा के **Solo River** के जमाव से
- तिथि– 16 लाख वर्ष पूर्व से 5 लाख वर्ष पूर्व से
- मस्तिष्क– 900 सी0सी0
- संस्कृति निर्माता– निम्न पुरा पाषाण काल
- पेबल टूल्स का निर्माता (एशिया में)
- अफ्रीका में यह एश्यूलियन उपकरण का निर्माता था।
- सर्वप्रथम आग का खोजकर्ता

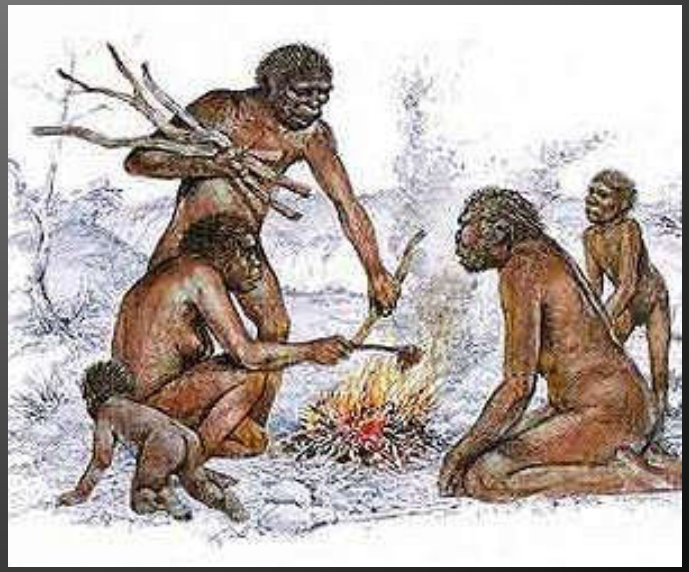

नियण्डस्थाल

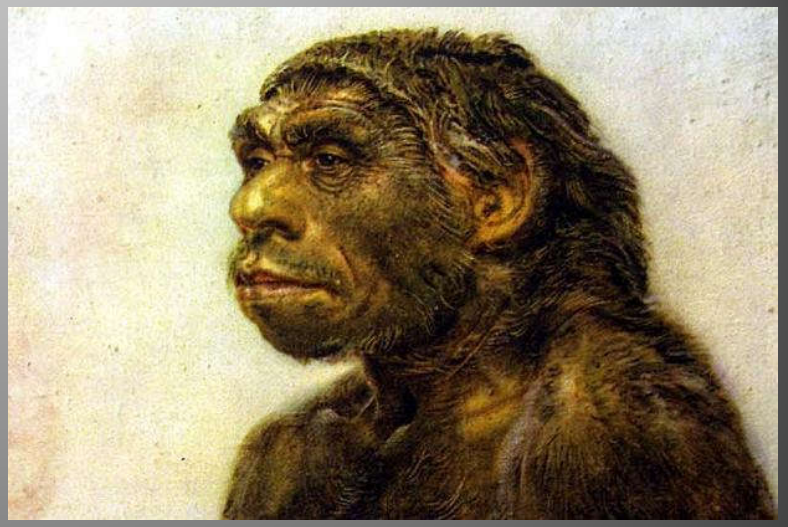

- प्रारंभिक अवशेष 1856 में डुसेलडोर्फ से (जर्मनी) प्राप्त हुआ।
- स्थान– फ्रांस के ला मुस्तेयर
- तिथि– 1 लाख वर्ष पूर्व
- मस्तिष्क– 1300 से 1600 सी0सी0
- संस्कृति निर्माता– मध्य पुरा पाषाण काल
- मुस्तेरियन तकनीक एवं स्क्रैपर, प्वांइट टूल्स का निर्माता
- सर्वप्रथम शवाधान (शव विसर्जन) का प्रमाण तशिक ताश नामक गुफा से मिलता है।
- चिकित्सा (जड़ी बूटी) का प्रारंभिक प्रमाण इस मानव के साथ जुड़ा हुआ है।

क्रोमैग्नन

- तिथि– 30 हजार वर्ष पूर्व
- मस्तिष्क– 1660 सी0सी0
- संस्कृति निर्माता– उच्च पुरा पाषाण काल
- हड्डी के उपकरण, ब्लेड, ब्यूरिन टूल्स का निर्माता
- सर्वप्रथम शैल चित्रकला का निर्माता।

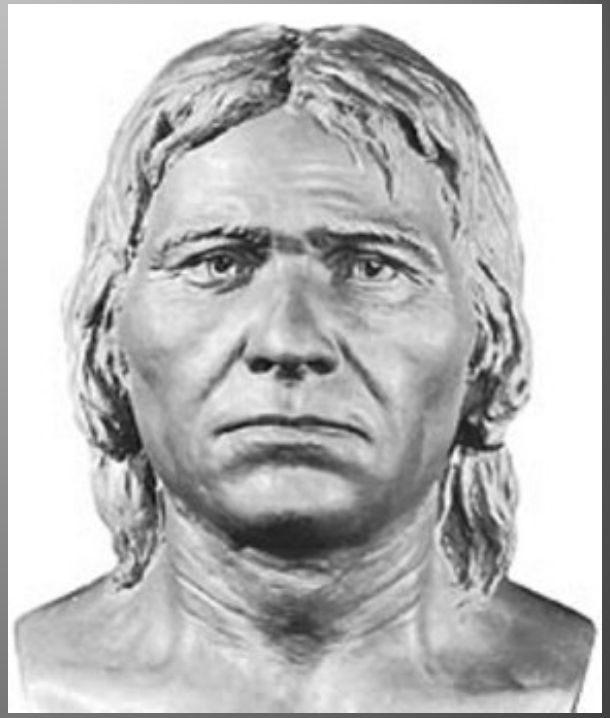

होमो सापियन्स–सापियन्स

- मस्तिष्क– 1300 सी0सी0
- संस्कृति निर्माता– नवपाषाण काल

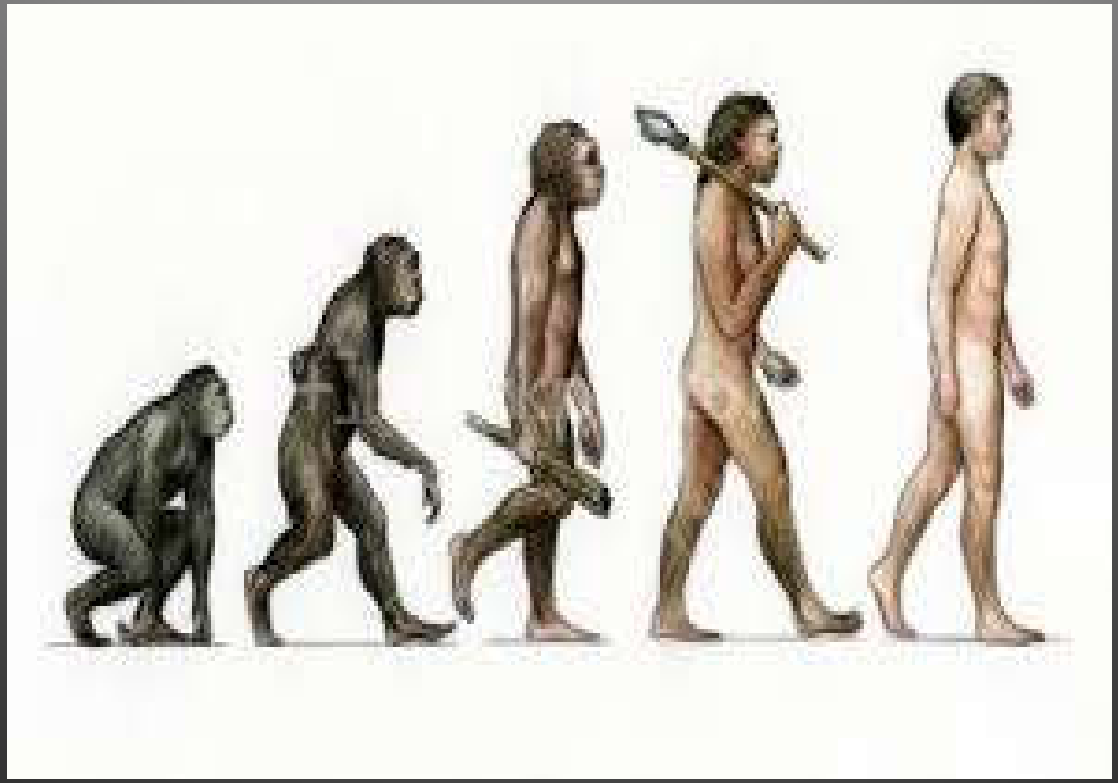

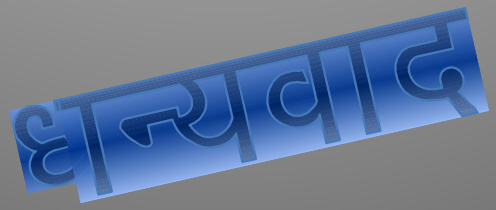
धन्यवाद